र्गार:क्या

म् प्राप्ति(१)
য়ৼ৾৾ঀৢ৾য়য়৾য়য়য়য়য়৾য়য়য়ৢয়৽৽৽৽৽৽৽৽৽৽৽৽৽৽৽৽৽৽৽৽৽
र्वे क क्वें प्रस्ति में स्त्र के कि स्त्र में के कि स्तर में के कि से स्वर्ध के के से स्वर्ध के के कि से स्वर्ध के कि से स्वर्ध के कि से
ন্ব্রিস্ত্রাস্বেশ্ব্র্ণ্
दबुयादम्य प्रमुव प्राधी पर्मे अपी मार्केया दिवा मी देशाया यश्रमुव आस्या ही दे
पङ्ग्रिं पुंचा(७०)
र्वेत्रः क्वेंत्रः ते प्रमासं प्रविष्यि में सामा स्वासः प्रविष्तुः साम्बेदिष्य क्वेंत्रः प्रमासः १००००००००००००००००००००००००००००००००००००
पक्तुत्रपतिःत्वुः अञ्चेदिः पञ्चेद्रित्यः
শ্বদ্ধান্ত্র-শ্রী-প্রপ্তর্ব-শ্রিমা-শ্রমানেকে)
म्बेब्रमुः इतियाहेश्वरव्याद्यात्राच्यायदे प्रवेश्वर्षायाः । । । । । । । । । । । । । । । । । । ।
बुःलुःश्वः ह्रेतुःह्रेश्वरव्दः ५८: पठश्यादेः पह्ने ५: धुम्(५१)
শৃর্ব্, ষ্ট্র্র, অর্ক্ত, অক্সুর, অক্সুর, অর্ক্তর, অর্ক্তর, অর্ক্তর, অর্ক্তর, অক্সুর, অর্ক্তর,
ৠৢয়য়৻৻৻৻য়৻য়৻য়ৣ৾য়৾য়য়ড়ৣ৾য়য়ড়ৣ৾য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়
শ্বর হির মানব ন্ শ্রু হ শ্বমশ্ব ন মুর্ হ শার্ষ থ
भ्रुपश्राप्ताद्यादाङ्चीःयाम्बेत्यापातदेवश्य(५०).
ই্'বর্ত্তর'ব্ঝ'ঘরি'বই্ট্ব'দ্বুদাে৫৩)
ଗ୍ଲ'ଧ'କ୍ରୁଟ'ଓସିଁଟ୍'ଶ୍ରି'ଜାଁ ଛିଁଦ'ଓଟ୍ଟିସ ଷ୯୯୯
यरे.योचेबाबाबाङ्ग्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच

শংখান্ত্রীর নেষ্ট্রণ আ
ग्नितः भुः तेर् ५ ५ न्या र स्कूर ५ य
क्रॅ्र प्रते प्रक्रें प्र
ন্ন'মবি'ক্অ'বের্ট্রম'শ্বর্জার বিশ্বামান্ত্রকার ক্রামান্ত্রকার ক্রা
କ୍ଷ୍ୟୁସଶ୍ୟସ୍କ୍ୟ୍ୟ୍ୟ୍ୟ୍ୟ୍ୟୁର୍ଦ୍ଧ୍ୟସ୍କ୍ୟ୍ୟ୍ୟ୍ୟ୍ୟ୍ୟ୍ୟ୍ୟ୍ୟ୍ୟ୍ୟ୍ୟ୍ୟ୍ୟ୍ୟ୍ୟ୍ୟ୍
भ्रुपशःग्वत्रःगुत्रः दत्त्रः सः प्रतेः त्तः अतेः ग्रार्थे त्याः स्ति । (५५)
५ प्रायः वृत्तः त्रायः द्रुयः यः द्रुयः यः देवः या क्रियः यदेवः या क्रियः यदेवः या क्रियः यदेवः या विश्वास्त्र
न्यत्रात्व्य त्रात्रा श्रीतिः त्वत्र श्रात्वत्र
र्क्रियायाम्बुर्याची मार्के र्सेट्सी प्रेयायार्स्के म्यायसम्बर्गा प्राप्त दिः
র্ম্ র্র্ম্ব্র্র্ম্বর্মান্ত্র্ম্বর্মান্ত্র্ম্বর্মান্ত্র্ম্বর্ম্বর্মান্ত্র্ম্বর্মান্ত্র্ম্বর্মান্ত্র্ম্বর্মান্ত্র্ম্বর্মান্ত্র্মান্ত্র্ম্বর্মান্ত্র্মান
র্ব'য়৾ব'র্ফ্র্মাঝানঝাঝান্দ্রের্মানর বিবার্শ্বির'র্শ্বির'র্শ্বীর্মার্মার ১০০০ ১০০০
ইল্'ক্টর্'বৃট্টির্ম'শ্রী'মপ্ল্ম্ম'মে) ঽ৻
मुल्याचामु अर्द्धेदे चर्चेद्राच
त्तृत्यः प्रते : त्युषा षा ग्री : क्रूँ त : प्रते : प्रकृत : प्रते : प
षान्त्रारः भ्रें सः भ्रुतः त्यं संयुद्धः त्यदेः वार्थेताः तदेत्र सः(१९८)
त्तुः अर्भेषाः दिहेत् अत्वदः दर्षे देश्वार्थे व्यव्यक्तः व्यवाः न्यः व्यव्यक्तः व्यवाः न्यः व्यव्यक्तः व्यव्यक्
श्चेर:र्घ'त्र्स्र'ग्राश्च्र्स'ग्री:श्चेंस'यञ्चरात्तुत्र'त्तुर(१७७१)
स.ट्रे.क्ं.बाब्ब्राचाद्यःकुं.च \mathbf{x} .वर्ट्र्ब.च \mathbf{z} व्यकान्नीःक्र्याःचित्राच्य \mathbf{z}
ପଞ୍ଚ ଅନ୍ତର୍ଜ୍ୟ ପ୍ରଥମ ବ୍ରଥମ ଅନ୍ତର୍ଜ୍ୟ ପଞ୍ଚ ଅନ୍ତର୍ଜ୍ୟ ଅନ୍ତର୍କ୍ୟ ଅନ୍ତର୍ଜ୍ୟ ଅନ୍ତର୍କ୍ୟ ଅନ୍ତର୍ଜ୍ୟ ଅନ୍ତର୍କ୍ୟ ଅନ୍ତର୍ଜ୍ୟ ଅନ୍ତର୍ଜ୍ୟ ଅନ୍ତର୍ଜ୍ୟ ଅନ୍ତର୍ଜ୍ୟ ଅନ୍ତର୍ଜ୍ୟ ଅନ୍ତର୍ଜ୍ୟ ଅନ୍ତର୍ଜ୍ୟ ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର୍ଜ୍ୟ ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର୍ଜ୍ୟ ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର୍ଜ୍ୟ ଅନ୍ତର

इ.बोर्बेश.र्था.२४.३५.क्ष्यंच्यात्तिबो.पक्षा.पष्टुः मुश्रात(१८)
क्रिंभामाश्चर्भार्चेत् क्रिंद्रक्षेद्राचे देवाया क्रिंद्रियाया क्रिंद्रियायाया क्रिंद्रियायाया क्रिंद्रियायाया क्रिंद्रियायायायायायायायायायायायायायायायायायाया
व्रैन्-त्र्यम्प्यमः नुःचेन् प्यात्वः स्वार्वे स्वार्ये स्वार्ये स्
इ.स्ट्रांब्र्झ्याया
र्चेत्रः क्चेंत्रः प्यत्रः त्यत्रा त्यत्यः त्यत्रा त्यत्यः त्यत्यः त्यत्यः त्यत्यः त्यत्यः त्यत्यः त्यत्यः त्य
स्तर्थः तय्। यर्षे श्रातः (१६८)
क्र्मामाश्वराची प्रमुद्दायरे प्रकृदास्य
दर्भःचदेःचकुर्धमःचर्भःच(१०१)
ন্রহ'র্মমর্ম'ন্রন্তুব্'দ্রুশ্রেণ্ড্র্ম
ন্র হ'র মার্মা নর্মুর বা
শ্ব্যুব্ন ব্রুব্ন ব্রুব্র ব্রুব্ন ব্রুব্ন ব্রুব্ন ব্রুব্ন ব্রুব্র ব্রু
याबदःभ्याबःचकुदःध्याःचभूबःच(१११)
इव्रायायाञ्चर्याञ्चात्राक्ष्यायदेवस्य स्थायायम् योव्यद्यस्य । । (११६)
शुंगशुंअ'न्वेंद्रशंदर्शंदेव'यद्देव'यव्यदःश्चृत'य्यशंशुंव'शुंद्र'यदेव'वेंद्रद्रा
নশ্বমান্ত্রন্থান্ত্রন্থ ক্রিন্ত্রন্থ ক্রিন্ত্রন্থ ক্রিন্ত্রন্ত্রন্থ
सङ्ग्याची कें यादे देशाय(११६)
इस्रामुत्याप्प्रमायनगर्भ(१३५)
सः यो श्रें अः ही : दरः यक्षेत्रः श्रें दः श्रें दः श्रदेः श्रुं वे हुं यो श्र (१५७)
নশ্বৰ:শ্ৰুৰ:শ্ৰুৰ:শ্ৰম:শ্ৰুৰ:শ্ৰম:শ্ৰুৰ্ব্বৰ েংখি)

र्वेत्रः श्चें ५ "पव 'यम 'य ५ त य' १ व य' १ व य य य य य य य य य य य य य य य य य य
ক্রুব্'বেই্নরার্ন্ট্রম্মার্নির্ম্বার্ম্বর্মার্ন্স্রম্মান্ত্র্মার্ন্স্রম্মান্ত্র্মার্ন্স্রমান্ত্র্মার্ন্স
श्चिप्रकार्योदेः श्र्रेयायाय विष्यं श्राह्म
चेषा केव पार्के क्रिंट पी क्रिंस या प्रेव प्रति क्रिंप (१५१)
तुषान्दः क्रुवः ग्रीः मर्थेः क्रुंदः सदः मेवायेवः प्रदेः क्रिंग (१५०)
पक्षेत्रः मात्रकाष्पत्रः त्यम् प्रमुत् प्रतिः क्षेत्रायः तर्यम् कार्केम् (१०५)
দ্রীর্বানী বৃর্বার্মার্মার মর্ক্রবান্ত্রির বিশ্বর্মার করিব ক্রিবান্ত্রির বিশ্বর্মার বিশ্বর্যার বিশ্বর্মার বিশ্বর্মার বিশ্বর্মার বিশ্বর্মার বিশ্বর্মার বিশ্বর্মার বিশ্বর্মার বিশ্বর্মার বিশ্বর্মার বিশ্বর বিশ্বর্মার বিশ্বর্যার বিশ্বর্মার বিশ্বর্মার বিশ্বর্যার বিশ্বর্মার বিশ্বর্মার বিশ্বর
क्वितःक्वेंदःक्वंदःहेषःग्रीःद्रियाषाद्विदःपक्षाय (५०५)
श्चेतःश्चेंदःश्चेदःचेतेःश्चेत्रायञ्च शक्चेंग्राचिदःतुःतदेवश्चर्त्वः(४१५)
क्रैट र्से न्ये विन् ग्री न्वें दक्ष ने अ क्रेंच विन् न्तु क्षका क्षु योव क्रुंय (४१५)
শ্বীন
ब्रैन ब्रेंट ब्रेंट चेंदे हे बाब द नु खंब (४९०)
শ্বী সংশ্বী সংক্রম বা নি মার্ক মার্ম ক্রম ক্রম ক্রম কর্ম কর্ম কর্ম কর্ম ক
श्चेतःश्चेरःश्चेरःप्रविदःश्चेरापञ्चराग्चैःसस्यराश्चेर (१८५)
क्षेत्र क्षेत्र प्रकृत प्रतेष क्षेत्र प्रदेप क्ष (१५०)
श्चेतःश्चेंदःश्चेंदःश्चेंदःविदेःदगादर्देवःश्चेःदेयाय१५०)
শ্বী না শ্বী শ্বী না
ब्रैन ब्रेंट ब्रेंट चेंदे ग्रेंव तदेवब वसूव मुल सन् कुंव १८०)
श्रुतःश्रुदेःश्रेदःचेदेःमेवःकेवःश्रुवःअदेःश्र्वेयःवञ्जयः (५७)

য়ঢ়৾য়য়৾য়য়য়য়ৣয়য়ৣয়
মাটুরি:য়ৄয়য়য়য়ৢয়
र्येदश्रभुदेःक्षेदःर्ये त्वेद्दर्या देदः श्रुणा मे क्षेत्रा यञ्जूष (१५०)
र्देट श्रुवा र्श्वे अप्यञ्च अप्यश्चाय
र्चे द अति स्त्री द र र व व व व व व व व व व व व व व व व व
শ্বামির্বিদ্রাম্বাম্বাম্বাম্বাম্বাম্বাম্বাম্বাম্বাম্ব
শ্বর্থার ব্র্বার্থ্র ব্রান্ত্র ব্রব্ধ বর্ষ বর্ষ বর্ষ বর্ষ বর্ষ বর্ষ বর্ষ বর্ষ
श्चेतःश्चेंदःत्यत्रःकग्राञ्चेंद्रशःदह्याःग्चेःकेंग(१५०)
অব্-ক্রশ্ব-ম্ব্-ম্ব্র্-ম্ব্র্-ম্ব্-ম্ব্-ম্ব
ALTITUTE INTERIOR AND ALTITUTE
অব্-জন্মার্শ্র্র্বিশ্বেদ্থান্সূ্র্বার(২(৫))
तु:हे:श्रुदे:बाह्रॅं=
ব্রমশ্যাবেইন্শার্ট্ম (২৫৩) ব্রমশ্যাবেইন্শার্ম্ম (২৫৩)
र् देश्या (१०८) त्रिं
য়ৢয়
র্ব নার্ট্ মান্ত ক্রি নার্ট্র মান্ট্র মান্ত ক্রি নার্ট্র মান্ট্র মান্ত ক্রি নার্ট্র মান্ত ক্রি নার্ট্র মান্ত ক্রি নার্ট্র মান্ত ক্রি নার্ট্র মান্ট্র মান্ট্র মান্ত ক্রি নার্ট্র মান্ট্র
য়ৢয়
दक्षेत्रमहिंद्रः ह्या अर्थ्य अर्थ्य क्ष्या प्राप्त क्ष्य क

पर्झे पर्ने भाषासुद बर् पर्सूषाय(७७१)
र् 'यश्राम्बुश्राय(७७५)
षदःक्रे'यश्रव्वदःवदेःक्क्ष्रॅव'यस'न्त्यु'दा(८७८)
ष्णः वित्रायका व्युद्धायती क्षेत्र त्या या विष्णे वित्रायका प्रति । प्रति वित्रायका विष्णे वित्रायका विष्णे वि
<u> </u>
यास(<i>६</i> मे १)
यक्षेत्र यः क्रुष्णयदेः क्क्रेंत्र त्यस्य य्याः विश्वायदेः यदेत्रः क्केंग(७५१)
यदेव केंग क्केंव ख्रा हेव यहोय स्ट क्कि
নপ্নৰ'ক্স্ৰ্ৰ'শ্ব্ৰৰ'শ্বৰে(৫৭৫)
चर्याः वैश्वः प्रतेः स्वेषाश्चःशुः प्रस्ट्रां प्रते रः स्विष्टि प्रतिष्ठाश्च(८५८)
सह्यान्त्रम